पानीपत, 14 नवंबर, 2008

जागरण सिटी

www.jagran.com

कर्ण की धरती के कायल रहे चाचा नेहरू

- स्वतंत्रता सेनानियों से रहा जवाहरलाल का खासा जुड़ाव

पंडित नेहरू जी के जन्मदिन पर विशेष

अश्विनी शर्मा, करनाल

बच्चों के प्यारे चाचा नेहरू का कर्ण की धरा से खासा लगाव रहा है। उनका करनाल के स्वतंत्रता सेनानियों से भी जुड़ाव रहा है। वह पत्र व्यवहार के माध्यम से करनाल के स्वतंत्रता सेनानियों का हाल-चाल जानते थे तो साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन को लेकर दिशा-निर्देश भी देते थे। स्वतंत्रता सेनानी उनकी नेतृत्व क्षमता के कायल भी थे।

देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू और करनाल का गहरा नाता रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उनकी आवाज पर करनाल के स्वतंत्रता सेनानियों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। स्वतंत्रता सेनानियों से पंडित नेहरू से जुड़े स्मरण जाने के गए तो वह अतीत में लौट गए। एकता कालोनी निवासी स्वतंत्रता सेनानी सिंघारा सिंह को पंडित की याद आते ही स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृतियां ताजा हो गई। वह कहने लगे कि उन्हें भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजों ने गिरफ्तार कर बोस्टल जेल में कैद कर दिया था। उनके साथ कई स्वतंत्रता सेनानियों सहित पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी भी जेल में थे। आंदोलन के दौरान ही महात्मा गांधी के साथ पंडित जवाहर लाल नेहरू उनका हौसला बढ़ाने जेल पहुंचे। उन्होंने कहा था कि साथियों स्वतंत्रता आंदोलन में डटे रहना। स्वतंत्रता सेनानियों के हौसलों को देखकर अब अंग्रेजों की हालत पस्त हो चुकी और हमारी जीत तय है। बसंत विहार निवासी स्वतंत्रता सेनानी खुशी राम कहते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन से पहले और बाद में पंडित जवाहर लाल नेहरू से कई बार मुलाकात हुई। वह स्वतंत्रता सेनानियों को बहुत इज्जत देते थे। देश के हालत और आजादी को लेकर ही उनसे बातें हुआ करती थी। वह स्वतंत्रता आंदोलन को और मजबूत करने के लिए दिशा-निर्देश दिया करते थे। उनमें गजब की नेतृत्व क्षमता थी। इतनी बड़ी शख्सियत होने के बावजूद वह हमेशा विनम्रता से झुके रहते थे। स्वर्गीय स्वतंत्रता सेनानी बाबू मूल चंद जैन को उनके 1957 से लेकर 1962 तक अपने सांसद कार्यकाल के दौरान पंडित जी ने कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी। वह उनके साथ कांग्रेस की संसदीय कमेटी में भी शामिल रहे। उनके पुत्र एडवोकेट अशोक जैन का कहना है कि उनके पिता से पंडित जी के गहरे संबंध थे। पत्र व्यवहार के के पंडित जी उनके पिता का हालचाल भी जानते थे।

प्रदेश की पहली जनसभा नीलोखेड़ी में की थी

प्रधानमंत्री बनने के बाद पंडित जवाहर लाल नेहरू ने प्रदेश में सबसे पहली जनसभा नीलोखेड़ी में की थी। इसके बाद दोबारा उन्होंने करनाल में जनसभा कर लोगों से विकसित भारत का निर्माण करने का वायदा किया था। जिला स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के संरक्षक डा. बालकिशन कौशिक के अनुसार प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रदेश में पहली जनसभा पंडित जवाहर लाल नेहरू ने नीलोखेड़ी में की थी। इस जनसभा से नीलोखेड़ी की पहचान भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचानकायम हुई। स्वतंत्रता सेनानी खुशी राम ने बताया कि 1952 में पंडित जवाहर लाल नेहरू ने करनाल में जनसभा संबोधित की थी।

यह जनसभा सेक्टर 14 स्थित राजकीय महाविद्यालय की जगह पर की गई थी। उस समय इस कालेज के स्थान पर मैदान हुआ करता था। पंडित जी का भाषण सुनकर लोगों को विश्वास हो गया था कि वह शहीदों के सपनों का भारत जरूर बनाएंगे।

करनाल के स्व. स्वतंत्रता सेनानी बाबू मूलचंद जैन पंडित जवाहरलाल नेहरू से हाथ मिलाते हुए। फाइल फोटो।

Downloaded from moolchandjain.org